# UP Board Important Questions Class 12 Chapter 4 ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन (Bharat main Samajik Parivartan Evam Vikas)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
गेहूँ की फसल कटाई पर पंजाब में कौनसा त्यौहार मनाया जाता है ?
उत्तर:
वैशाखी का।

प्रश्न 2.
दक्षिणी गुजरात में प्रवसन करने वाले मजदूर क्यों आते हैं?
उत्तर:
ईंट - भट्टों में कार्य हेतु ।

प्रश्न 3.
2001 की जनगणना के अनुसार भारत के कितने प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं ?
उत्तर:
67 प्रतिशत।

प्रश्न 4.
भारतीयों के लिए उत्पादन का महत्त्वपूर्ण साधन क्या है ?
उत्तर:
भूमि।

प्रश्न 5.
नव वर्ष में तमिलनाडु में कौनसा त्यौहार मनाया जाता है ?
उत्तर:
पोंगल।

प्रश्न 6.
आसाम में नव वर्ष में कौनसा त्यौहार मनाया जाता है ?
उत्तर:
बीहू।

प्रश्न 7.
कर्नाटक में फसल कटाई पर कौनसा त्यौहार मनाया जाता है?
उत्तर:
उगाड़ी।

प्रश्न 8.
पुजारी, ज्योतिषी प्रायः किस जाति से सम्बन्धित होते हैं ?
उत्तर:
ब्राह्मण।

प्रश्न 9.
ग्रामीण जनसंख्या के लिए जीविका का एक मात्र साधन क्या है ?
अथवा
ग्रामीण समाज में जीविका का महत्त्वपूर्ण साधन और सम्पत्ति क्या है ?
उत्तर:
कृषि योग्य भूमि।

प्रश्न 10.
भूमि सुधार की तीसरी मुख्य श्रेणी में किससे सम्बन्धित अधिनियम थे?
उत्तर:
भूमि की हदबंदी।

प्रश्न 11.
प्रत्येक क्षेत्र में हदबंदी किन कारकों पर निर्भर थे?
उत्तर:
भूमि के प्रकार, उपज और अन्य इसी प्रकार के कारकों पर।

प्रश्न 12.
भारत के अधिकांश भागों में महिलाएँ.जमीन की मालिक नहीं होतीं। इसके दो प्रमुख कारण लिखिये।
उत्तर:

1. उत्तराधिकार के नियम।
2. पितृवंशीय नातेदारी प्रथा।

प्रश्न 13.
कृषि संरचना शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया जाता है ?
उत्तर:
भूमि स्वामित्वों के विभाजन के सम्बन्ध में।

प्रश्न 14.
भारतीय कृषि मुख्य रूप से किस बात पर निर्भर करती है?
उत्तर:
मानसून पर।

प्रश्न 15.
गुजरात में बंधुआ मजदूर प्रथा को क्या कहते हैं ?
उत्तर:
हलपति।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 16.
कर्नाटक में बंधुआ मजदूर व्यवस्था को क्या कहते हैं ?
उत्तर:
जीता।

प्रश्न 17.
रैयतवाड़ी व्यवस्था में रैयत का क्या अर्थ है ?
उत्तर:
कृषक।

प्रश्न 18.
प्रथम हरित क्रांति कब हई?
उत्तर:
सन् 1960 - 70 की अवधि में।

प्रश्न 19.
हरित क्रांति का लाभ किसे प्राप्त हुआ?
उत्तर:
बड़े व मध्यम किसान को।

प्रश्न 20.
हरित क्रांति के प्रथम चरण को किन क्षेत्रों में लागू किया गया?
उत्तर:
गेहूँ-चावल उत्पादन के सिंचाई वाले क्षेत्रों में।

प्रश्न 21.
हरित क्रांति पैकेज की प्रथम लहर किन-किन राज्यों में फैली? (कोई दो राज्य बताइये।)
उत्तर:

1. पंजाब
2. पश्चिमी उत्तर प्रदेश।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
हरित क्रान्ति कार्यक्रम किन क्षेत्रों में लाग किया गया?
उत्तर:
हरित क्रांति कार्यक्रम उन्हीं क्षेत्रों में लागू किया गया था जहाँ सिंचाई का समुचित प्रबंध था क्योंकि नए बीजों तथा कृषि पद्धति हेतु समुचित जल की आवश्यकता थी।

प्रश्न 2.
हरित क्रांति से क्या तात्पर्य है ?
अथवा

हरित क्रांति क्या है?
उत्तर:
हरित क्रांति कृषि आधुनिकीकरण का एक सरकारी कार्यक्रम था। इसके लिए आर्थिक सहायता अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दी गई थी। यह संकर बीजों, कीटनाशकों, खादों तथा किसानों को अन्य निवेश देने पर केन्द्रित थी।

प्रश्न 3.
जमींदारी व्यवस्था के दो परिणाम लिखिये।
उत्तर:

1. जमींदारी व्यवस्था के कारण ब्रिटिश काल के दौरान कृषि उत्पादन कम होने लगा।
2. जमींदारों ने किसानों को अपने दबाव से पीस डाला।

प्रश्न 4.
जीवन निर्वाही कृषि का क्या आशय है?
उत्तर:
जीवन निर्वाही कृषि का आशय है-कृषि में पैदा की गई वस्तुओं का इस्तेमाल किसान अपने घर में ही करता है।

प्रश्न 5.
विभेदीकरण की प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
हरित क्रांति की अंतिम परिणति 'विभेदीकरण' एक ऐसी प्रक्रिया थी जिसमें धनी अधिक धनी हो गए तथा कई निर्धन पूर्ववत रहे या अधिक गरीब हो गए।

प्रश्न 6.
'ठेके पर खेती' या 'संविदा खेती' के दो दोष लिखिये।
उत्तर:

1. संविदा खेती में किसान बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे उनमें असुरक्षा बढ़ जाती है।
2. इसमें अनेक व्यक्ति उत्पादन प्रक्रिया से अलग हो जाते हैं और देशीय कृषि ज्ञान समाप्त हो जाता है।

प्रश्न 7.
जो गैर - कृषि गतिविधियाँ और व्यवसाय ग्रामीण समाज के अंग हैं, उनमें कौन शामिल हैं?
उत्तर:
जो गैर-कृषि गतिविधियाँ और व्यवसाय ग्रामीण समाज के अंग हैं, उनमें अनेक कारीगर और दस्तकार शामिल हैं, जैसे-कुम्हार, खाती, लोहार, जुलाहे, सुनार आदि।

प्रश्न 8.
'कृषिक संरचना' शब्द का क्या आशय है ?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

'कृषिक संरचना' से हमारा आशय है-ग्रामीण भारत में जाति तथा वर्ग जिसमें कृषक समाज को उसकी संरचना से पहचाना जाता है।

प्रश्न 9.
फसल काटते समय देश में कौन-कौन से त्यौहार मनाए जाते हैं और ये किसकी घोषणा करते हैं?
उत्तर:
फसल काटते समय देश के विभिन्न क्षेत्रों में पोंगल, बीहू, बैसाखी तथा उगाड़ी नामक त्यौहार मनाए जाते हैं और ये नये कृषि मौसम के आने की घोषणा करते हैं।

प्रश्न 10.
श्रीनिवास के अनुसार प्रबल जाति कौनसी होती है ?
उत्तर:
वे जातियाँ जो भूस्वामी होती हैं और संख्या के आधार पर भी अधिक होती हैं; वे आर्थिक और राजनैतिक रूप से स्थानीय लोगों पर प्रभुत्व बनाए रखती हैं, प्रबल जाति होती हैं।

प्रश्न 11.
स्वतंत्रता के पश्चात् भारत की कृषि स्थिति कैसी थी?
उत्तर:
स्वतंत्रता के पश्चात् भारत की कृषि स्थिति निराशाजनक थी। पैदावार कम होती थी तथा आयातित अनाज पर निर्भरता बनी हुई थी।

प्रश्न 12.
हरित क्रांति के दो सकारात्मक प्रभाव बताइये।
उत्तर:

1. हरित क्रांति की नई तकनीक द्वारा कृषि उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि हुई।
2. हरित क्रांति के फलस्वरूप भारत खाद्यान्न उत्पादन में स्वावलम्बी बनने में सक्षम हुआ।

प्रश्न 13.
हरित क्रान्ति की दो आलोचनाएँ लिखें।
उत्तर:

1. हरित क्रान्ति के फलस्वरूप ग्रामीण समाज में सामाजिक असमानता बढ़ी।
2. हरित क्रान्ति का सीमान्त कृषक और कृषि मजदूरों को कोई लाभ नहीं मिला।

प्रश्न 14.
काश्तकार किसान किसे कहते हैं ?
उत्तर:
काश्तकार किसान वे किसान हैं, जो परिवार की आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने में सक्षम होते हैं।

प्रश्न 15.
स्वातंत्र्योत्तर काल में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सम्बन्धों में कौनसे बदलाव आए?
उत्तर:

1. स्वातंत्र्योत्तर भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि मजदूरों की बढ़ोतरी हुई।
2. नकद भुगतान प्रारम्भ होने से पारम्परिक बंधनों में शिथिलता आई तथा मुक्त दिहाड़ी मजदूर वर्ग का उदय हुआ।

प्रश्न 16.
गाँवों में परम्परागत और आधुनिक गैर-कृषि व्यवसायों का उल्लेख कीजिये।
उत्तर:

1. परम्परागत गैर कृषि व्यवसाय ये हैं - धोबी, कुम्हार, पुजारी, तेली, बनिये, जुलाहे और खाती।
2. गैर - परम्परागत गैर कृषि व्यवसाय ये हैं-सरकारी नौकरी, सेना व पुलिस में नौकरी, कारखानों में कामगार आदि।

प्रश्न 17.
संविदा खेती का समाजशास्त्रीय महत्त्व क्या है?
उत्तर:
संविदा खेती का समाजशास्त्रीय महत्त्व यह है कि यह बहुत से व्यक्तियों को उत्पादन प्रक्रिया से अलग कर देती है तथा उनके अपने देशीय कृषि ज्ञान को निरर्थक बना देती है। साथ ही यह प्रायः पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित नहीं होती।

प्रश्न 18.
पूँजीवादी उत्पादन व्यवस्था किस पर आधारित होती है ?
उत्तर:
पूँजीवादी उत्पादन व्यवस्था, उत्पादन के साधनों से मजदूरों के पृथक्करण तथा मुक्त दिहाड़ी मजदूरी व्यवस्था पर आधारित होती है।

प्रश्न 19.
विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उदेश्य बताइये।
उत्तर:
विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्देश्य है। अधिक मुक्त अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, जिसमें भारतीय बाजारों को आयात हेतु खोलने की आवश्यकता है।

प्रश्न 20.
भूमि की हदबंदी अधिनियम से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
भूमि की हदबंदी अधिनियम के तहत एक विशिष्ट परिवार के लिए जमीन रखने की उच्चतम सीमा तय कर दी गई। प्रत्येक क्षेत्र में हदबंदी भूमि के प्रकार और अन्य कारणों पर निर्भर थी, जैसे

1. बहुत अधिक उपजाऊ जमीन की हदबंदी कम थी।
2. अनुपजाऊ, बिना पानी वाली जमीन की हदबंदी अधिक थी।

प्रश्न 21.
स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण समाज में हुए किन्हीं चार परिवर्तनों के बारे में व्याख्या करें।
अथवा

https://www.evidyarthi.in/

स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सम्बन्धों की प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आए हैं ?
उत्तर:
स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ हरित क्रांति लागू हुई, वहाँ सामाजिक सम्बन्धों की प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आए हैं

1. गहन कृषि के कारण कृषि मजदूरों की बढ़ोतरी हुई।
2. नगद भुगतान के प्रचलन से पारम्परिक कृषि बंधनों में शिथिलता आई।
3. 'मुक्त दिहाड़ी' मजदूरों के वर्ग का उदय।
4. कृषि मजदूरों का महिलाकरण हो रहा है।

प्रश्न 22.
भूमि सीमा अधिनियम का क्या अर्थ है ? अधिकांश राज्यों में यह बे-असर क्यों सिद्ध हुआ? अपने उत्तर के समर्थन में दो तर्क दीजिये।
उत्तर:
भूमि सीमा अधिनियम के तहत एक विशिष्ट परिवार के लिए कृषि जमीन रखने की उच्चतम सीमा तय कर दी गई है। अधिकांश राज्यों में यह बे - असर हुआ क्योंकि

1. भूस्वामियों ने अपनी भूमि रिश्तेदारों या अन्य लोगों के बीच विभाजित कर दी थी।
2. कुछ स्थानों पर अमीर किसानों ने अपनी पत्नी को सीलिंग व्यवस्था से बचने के लिए वास्तव में तलाक दे दिया, परन्तु उसी के साथ रहते रहे।

प्रश्न 23.
उन क्षेत्रों में क्या परिवर्तन हुए जहाँ कृषि का अधिक व्यवसायीकरण हो गया?
उत्तर:
कृषि के अधिक व्यवसायीकरण वाले क्षेत्रों, जैसे - पंजाब और कर्नाटक में 'संविदा खेती पद्धति' का प्रचलन हुआ जिसमें कंपनियाँ उगाई जाने वाली फसलों की पहचान करती हैं तथा बीज तथा अन्य वस्तुएँ निवेश के रूप में उपलब्ध कराती हैं तथा पूर्व निर्धारित मूल्य पर उपज खरीद लेती हैं। इससे किसान जीवन-व्यापार के लिए इन कंपनियों पर निर्भर हो गये। दूसरे, इन क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बीज, कीटनाशक व खाद के विक्रेता के रूप में प्रवेश हो गया।

प्रश्न 24.
ग्रामीण भारत में प्रचलित विभिन्न जाति आधारित व्यवसायों का उल्लेख कीजिये।
उत्तर:
ग्रामीण भारत में अधिकांश लोगों का जीवनयापन का मुख्य साधन कृषि है। इसके अतिरिक्त अनेक जातिगत व्यवसाय भी यहाँ विद्यमान हैं। अनेक कारीगर या दस्तकार जैसे - कुम्हार, खाती, जुलाहे, धोबी, लोहार, सुनार आदि; बहुत से अन्य विशेषज्ञ जैसे-कहानी सुनाने वाले, ज्योतिषी, पुजारी, भिश्ती, तेली आदि यहाँ रहते हैं।